मानव विज्ञान (एन्थ्रोपोलोजी)

कक्षा–11

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

खण्ड-क (सामाजिक, मानव विज्ञान)

इकाई-5 नातेदारी व्यवस्था-क्लोन (गोत्र सम समूह), लिनिएज (वंश समूह) का वर्णन, नातेदारी के व्यवहार- प्रतिमान-परिहायें एवं परिहार सम्बन्ध।

खण्ड-ख (प्रागैतिहासिक मानव विज्ञान)

इकाई-2 मध्य पाषाण काल, पुरा पाषाणकाल

(प्रायोगिक मानव विज्ञान)

इकाई-1 कपाल एवं उपांग अस्थियों का रेखांकित एवं चिन्हित वर्णन

मानव कपाल का नारंग का फ्रन्टालिस एवं नॉरमा लैटररैलिस पक्ष का रेखांकित एवं चिन्हित वर्णन।

उपर्युक्त के अनुकम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

मानव विज्ञान (एन्थ्रोपोलोजी)

कक्षा-11

(मानविकी, वैज्ञानिक वर्ग एवं व्यावसायिक वर्ग हेतु)

इस विषय की लिखित परीक्षा का न्यूनतम उत्तीर्णांक 23 एवं 10 कुल 33 एक प्रश्न-पत्र, 70 अंको का तीन घण्टे का होगा। 30 अंक की प्रयोगात्मक परीक्षा होगी।

अध्ययन का उद्देश्य--

1-समाज के विकास, उनके आधारभूत कारकों, विस्तार तथा विविधता की जानकारी प्राप्त करना तथा उसके भावरूप के बारे में निष्कर्ष निकालना।

2-प्राकृतिक पर्यावरण तथा मानव के मध्य अन्तःक्रिया को भारत तथा विश्व के सन्दर्भ में सामाजिक विकास पर पड़ने वाले उसके प्रभाव को समझना, विश्लेषण कर निष्कर्ष निकालने के लिए सक्षम बनाना।

3-समाज की समसामयिक समस्याओं के बारे में जानकारी करके निर्णय लेने की योग्यता प्राप्त करना।

4-मानव विकास और उसकी उपलब्धियाँ तथा विफलताओं को सजीव एवं प्रेरणादायक रूप में प्रस्तुत कर समाज के समाजवादी स्वरूप की स्थापना करना।

5-विश्व के पर्यावरणीय घटकों, विभिन्न क्षेत्रों में संसाधनों तथा उसके उपयोग की जानकारी प्राप्त करना तथा भविष्य के बारे में निष्कर्ष निकालना।

6-मानव विज्ञान नामक विषय के विकास तथा 19वीं एवं 20वीं शताब्दी में हुये विभिन्न अध्ययनों से बनी मानव विज्ञान की रूपरेखा का ज्ञान विद्यार्थियों को देना।

7-मानव विज्ञान की विषय-वस्तु, विस्तार तथा विभिन्न शाखाओं का ज्ञान सरल तथा बोधगम्य भाषा के माध्यम से विद्यार्थियों को प्राप्त कराना।

8-मानव विज्ञान एक लोकप्रिय तथा उपयोगी विषय है जो कि मानव जीवन के शारीरिक तथा सामाजिक सांस्कृतिक दोनों ही पक्षों के विकास पर प्रकाश डालता है। मानव जीवन का कोई भी पक्ष इससे अछूता नहीं है। सभी पक्षों के तारतम्य का एकीकृत चित्र प्रस्तुत करना।

9-मानव के सामाजिक एवं सांस्कृतिक जीवन की समस्याओं को समझाने तथा सुलझाने की क्षमता का सृजन करना।

10-सभ्यता की मुख्य धारा से दूर बसे सरल जनजाति समाजों की विशिष्टता, विविधता एवं उनकी आधुनिक समस्याओं का ज्ञान देना जिससे उन्हें राष्ट्रीय जीवन की मुख्य धारा से जोड़ने के सफल प्रयास किये जा सके।

खण्ड-क **35 : अंक**

(सामाजिक, मानव विज्ञान)

		अंक भार
इकाई-1	मानव विज्ञान की परिभाषा, शाखायें तथा अन्य विज्ञानों से सम्बन्ध।	6
इकाई-2	सामाजिक एवं सांस्कृतिक मानव विज्ञान की परिभाषा एवं विषय क्षेत्र, सामाजिक मानव विज्ञान एवं समाजशास्त्र में समानतायें एवं भिन्नतायें।	8
इकाई-3	विवाह, परिभाषा, जनजातीय समाजों में प्रचलित विवाह के प्रकार--एक विवाह, बहु विवाह। जनजातीय समाजों में प्रचलित जीवनसाथी चुनने के तरीके--अधिमान्य विवाह, समलिंगीय	

सहोदरज (पैरेलल कजिन) विवाह, विषमलिंगीय सहोदरज (क्रास कजिन) विवाह, वधु-धन एवं उसका महत्व। 12

इकाई-4 परिवार-परिभाषा, प्रकार एवं कार्य। 9

सन्दर्भित पुस्तकें--

1-डी0 एन0 मजूमदार एवं टी0 एन0 मदान--सामाजिक मानव शास्त्र : एक परिचय।

2-उमाशंकर मिश्र--सामाजिक-सांस्कृतिक मानव शास्त्र।
उमाशंकर मिश्र--नृतत्व चिन्तन (पलका प्रकाशन)।

3-विजय शंकर उपाध्याय एवं विजय प्रकाश शर्मा--भारत की जनजातीय संस्कृति (मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी)।

4-शैपिरो एवं शैपिरो--मानव संस्कृति एवं समाज (Man Culture and Society)।

5-एम्बर एवं एम्बर--मानव विज्ञान (हिन्दी अनुवाद) यू0बी0सी0 सर्विसेज, दिल्ली।

6-गोपालशरण एवं आर0 पी0 श्रीवास्तव--मानव विज्ञान एवं समाजशास्त्र (इंगलिश)। न्यू रॉयल बुक कम्पनी, लखनऊ।

7-विजय शंकर उपाध्याय एवं गया पाण्डेय--सामाजिक सांस्कृतिक मानव शास्त्र, क्राउन पब्लिकेशन्स, रांची।

8-नीरजा सिंह एवं निशा शर्मा--परिचयात्मक मानव विज्ञान।

9-ए0आर0एन0 श्रीवास्तव-जनजातीय विकास के साठ वर्ष- प्रकाशक- 42/7 जवाहर लाल नेहरू रोड़, प्रयागराज।

खण्ड-ख 35 : अंक

(प्रागैतिहासिक मानव विज्ञान)

		अंक भार
इकाई-1	प्रागैतिहास, अर्थ, विषय क्षेत्र, काल मापन विधियाँ--सापेक्ष एवं निरपेक्ष।	12
इकाई-2	यूरोपीय पाषाण काल की संस्कृतियों की परिचायात्मक-रूपरेखा, एवं नव पाषाणकाल	12
इकाई-3	सिंधु घाटी की सभ्यता- उत्पत्ति, विस्तार, विशेषतायें, सांस्कृतिक, आर्थिक, नगर नियोजन, विकास और पतन	11

सन्दर्भित पुस्तकें--

1-परिचयात्मक मानव विज्ञान--नीरजा सिंह, निशा शर्मा।

2-What is Anthropology–Dr. A. R. N. Srivastava.

3-डी0 के0 भट्टाचार्या--यूरोपियन प्रागैतिहास (इंगलिश)।

4-उद्विकासीय मानव विज्ञान-डा0 विभा अग्निहोत्री।

5-V. Rami Reddy—Prehistory (English) Thirupati (Andhra Pradesh)

(प्रायोगिक मानव विज्ञान) पूर्णांक 30

	पाठ्यक्रम	अंक भार
इकाई-1	कपाल एवं उपांग अस्थियों का रेखांकित एवं चिन्हित वर्णन ह्यूमरस, रेडियस, अल्ना, फीमर, टिबिया, फिबुला।	10 5 अंक चित्रण एवं 5 अंक सही नामांकन एवं वर्णन के लिए
इकाई-2	एन्थ्रोपोस्कोपी (मानववीक्षिकी) 5 व्यक्तियों के चेहरे पर निम्नलिखित सीमैटोस्कोपिक अवलोकन करना-- (क) मानव केश--स्वरूप, रंग, प्रकृति (फार्म, कलर एवं टैक्सचर) (ख) नासिका--मूल, सेतु, नथुने (रूट, ब्रिज, विंग्स) (ग) आँख--एपिकैन्थिक फाल्ड, नेत्र वर्ण (आई कलर) (घ) ओष्ठ (लिप)--मोटाई एवं वर्हिवर्तन (निचले होंठ का बाहर की ओर लटका होना) ओष्ठ की विद्यमानता (थिकनैस एवं इवरटेंड ओष्ठ) (च) चेहरे की उद्शतहनुता (फेशियल प्रोग्नैथजम)	10
इकाई-3	प्रायोगिक रिकार्ड (लैब बुक)-- इकाई 1, 2, 3 और 4 विद्यार्थियों को सिखाये जायेंगे तथा उस पर आधारित लैब बुक होगी।	5

इकाई–4 मौखिक परीक्षा 5

कुल अंक . . 30

निर्देश–इकाई 1 में वर्णित कपाल एवं उपांग अस्थियों को चार्ट से देखकर रेखांकित एवं चित्रित करना।

सन्दर्भ पुस्तकें--

(1) प्रयोगात्मक शारीरिक मानव विज्ञान--डा0 विभा अग्निहोत्री।

(2) मानव अस्थि विज्ञान--हिन्दी रूपान्तर--अजय भगत एवं पोद्दार।

(3) Physical Anthropology Practical--by B. M. Das & Ranjan Deha.

प्रयोगात्मक अंक विभाजन

मानव विज्ञान

अधिकतम अंक : 30 न्यूनतम उत्तीर्णांक : 10 समय : 03 घण्टा

	निर्धारित अंक
1–कपाल एवं उपांग अस्थियों का रेखांकित एवं चिन्हित करना--	06 अंक
(सही चित्रण हेतु 3 अंक तथा नामांकन व पहचान हेतु 3 अंक)	
2–एन्थ्रोपोस्कोपी	04 अंक
3–मौखिकी--	05 अंक
4–प्रोजेक्ट कार्य--	5+5=10 अंक
(i) किसी सामाजिक विषय पर साक्षात्कार	
(ii) किसी सामाजिक विषय पर प्रश्नावली तैयार करना--	
5–प्रायोगिक रिकार्ड बुक--	05 अंक

नोट :--प्रोजेक्ट कार्य एवं प्रायोगिक रिकार्ड बुक परिषदीय प्रयोगात्मक परीक्षा के समय विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत किया जायेगा।